भारतीय रेल

मार्च 2022

रेल राज्य मंत्री ने सूरत और वापी के बीच

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया

केंद्रीय रेल और वस्त्र राज्यमंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने 17 फरवरी, 2022 को सूरत और वापी के बीच मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल के परियोजना स्थल पर कामकाज का निरीक्षण किया।

17 फरवरी, 2022 को सूरत और वापी के बीच मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल के परियोजना स्थल पर कामकाज का निरीक्षण करती हुईं केंद्रीय रेल और वस्त्र राज्यमंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश

रेल राज्यमंत्री ने सी.एच. 242 पी42 और पी23 पर पाइल कैप की ढलाई सहित विभिन्न प्रकार की ढलाई के लिए नियोजित गर्डर की ढलाई के प्रारंभिक कार्यों के निरीक्षण हेतु अपने दौरे की शुरुआत ग्राम पडगह, जिला नवसारी स्थित सी.एच. 243 के कास्टिंग यार्ड से की।

उनके दौरे का अगला पड़ाव सी.एच. 238 (ग्राम नसीलपुर, जिला नवसारी) स्थित कास्टिंग यार्ड था, जहां उन्होंने 1,100 टन क्षमता के स्ट्रैडल कैरियर और ब्रिज गैंट्री जैसे भारी उपकरणों का प्रदर्शन देखा।

रेल राज्यमंत्री ने सी.एच. 232 (ग्राम कच्छोल, जिला नवसारी) स्थित एक अन्य कास्टिंग यार्ड का दौरा किया। वहां उन्होंने फुल स्पैन गर्डर की ढलाई, रेडीमेड स्टील प्लांट (आरएमएस) प्लांट का संचालन, स्टील की स्वचालित कटिंग और रिंग/रकाब बनाने के प्लांट का प्रदर्शन देखा।

उन्होंने ग्राम पथरी जिला वलसाड स्थित सीएच. 197 से लेकर 195 तक मार्गसेतु के पायों का मुआयना किया। अंत में, ने दमन गंगा नदी का भी दौरा किया, जहां नदी के ऊपर पुल की नींव रखी जा रही है।

देश में हाई स्पीड रेल कॉरिडोर

इस समय देश में हाई स्पीड रेल की मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना ही केवल एक स्वीकृत परियोजना है जो जापान सरकार से प्राप्त वित्तीय एवं तकनीकी सहायता के साथ कार्यान्वित की जा रही है। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना की वर्तमान स्थिति निम्नानुसार है:-

- वन्यजीव संबंधी, तटीय नियमन जोन (सीआरजेड) और वन संबंधी स्वीकृति के संबंध में सभी सांविधिक स्वीकृतियां प्राप्त कर ली गई हैं।
- लगभग 1,396 हेक्टेयर की कुल भूमि की आवश्यकता में से 1,193 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है।
- संपूर्ण परियोजना को 27 संविदा पैकेजों में बांट दिया गया है। इस

समय, 12 पैकेज दिए जा चुके हैं, 3 मूल्यांकन के अधीन हैं और 4 पैकेजों के लिए निविदाएं आमंत्रित की जा चुकी हैं।
- गुजरात और दादरा और नगर हवेली में कुल 352 किमी में से 342 किमी लंबाई में सिविल कार्य शुरू हो गया है।

भूमि अधिग्रहण पूरा हो जाने और सभी संविदाओं को अंतिम रूप दिए जाने के बाद ही लागत में अनुमानित वृद्धि और समयसीमा का पूर्ण निर्धारण किया जा सकता है।

इसके अलावा, रेल मंत्रालय (एमओआर) ने निम्नलिखित 7 हाई स्पीड रेल गलियारों के लिए सर्वेक्षण करने और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का विनिश्चय किया है:

नए बुलेट ट्रेन गलियारे

रेल मंत्रालय ने निम्नलिखित तीव्र गति रेल गलियारों के लिए सर्वेक्षण करने और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का निर्णय लिया है:-

- दिल्ली-वाराणसी, • दिल्ली-अमृतसर, • दिल्ली-अहमदाबा द,
- मुंबई-नागपुर, • मुंबई-हैदराबाद,
- चेन्नै-बंगलुरु-मैसूर,
- वाराणसी-हावड़ा

एनएचएसआरसीएल ने मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल

कॉरिडोर के लिए वडोदरा एचएसआर स्टेशन सहित 8 किमी वायडक्ट के डिजाइन और निर्माण के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर (एमएएचएसआर सी-5 पैकेज) के लिए वडोदरा में एक एचएसआर स्टेशन सहित लगभग 8 किमी वायडक्ट के डिजाइन और निर्माण के लिए मैसर्स लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड और नेशनल हाई स्पीड रेल कार्पोरेशन लि. के बीच आयोजित हस्ताक्षर समारोह का एक दृश्य

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर (एमएएचएसआर सी-5 पैकेज) के लिए गुजरात राज्य में वडोदरा में एक एचएसआर स्टेशन सहित लगभग 8 किमी वायडक्ट के डिजाइन और निर्माण के लिए मैसर्स लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड के साथ 09 फरवरी, 2022 एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

रेलवे के साथ निर्बाध एकीकरण सुनिश्चित करने के लिए, वडोदरा एचएसआर स्टेशन को भारतीय रेल के वडोदरा स्टेशन के मौजूदा प्लेटफॉर्म नंबर 7 के ऊपर बनाने की योजना है। इस एकीकरण के साथ, यात्रियों को एचएसआर और भारतीय रेल के बीच आसान स्थानांतरण की सुविधा मिलेगी।

अभी तक, एनएचएसआरसीएल द्वारा गुजरात राज्य में एमएएचएसआर (Mumbai & Ahmedabad High Speed Rail Corridor) संरेखण (Alignment) के निर्माण के लिए 100% सिविल अनुबंध (कुल एमएएचएसआर कॉरिडोर के 508 किमी में से 352 किमी) किए जा चुके हैं, जिसमें आठ (08) एचएसआर स्टेशन (साबरमती, अहमदाबाद, आणंद, वडोदरा, भरूच, सूरत, बिलीमोरा और वापी) तथा साबरमती और सूरत में दो रोलिंग स्टॉक डिपो शामिल हैं।

निदेशक (परियोजना) श्री राजेन्द्र प्रसाद और एनएचएसआरसीएल के अन्य निदेशकों और लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड के अधिकारियों ने अनुबंध पर हस्ताक्षर समारोह में भाग लिया।